बरेली, गुरुवार
26 अक्टूबर, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

PAGE NO, 04, MIDDLE LEFT

टिमटिमाती रोशनी के बीच... थियेटर में गूंजा हे राम

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक मैं अधर्मी क्यूं... रावण का मंचन करते कलाकार ● जागरण

नाटक मैं अधर्मी क्यूं... देखते वसीम बरेलवी व साथ में चेयरमैन देवमूर्ति ● जागरण

जागरण संवाददाता, बरेली : पूरे हाल में अंधेरा छाया है। घंटे भर से कुर्सियां थामे बैठे लोगों को इंतजार है, मंच का अंधेरा कब दूर होगा, तभी टिमटिमाती नीली लाइट के साथ मंच का अंधेरा छंटने लगता है और आवाज आती है... हे। राम राम। फिर दृश्य में मंच पर मरता हुआ रावण राम को पुकार रहा है। रावण के मुख से बड़े भाई का नाम सुनकर लक्ष्मण खुश हो रहे हैं। बुधवार शाम श्रीराममूर्ति स्मारक रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र में मैं अधर्मी क्यूं... रावण नाटक की कुछ इस तरह शुरुआत हुई। इस नाटक के साथ इंद्रधनुष-3 थिएटर फेस्टिवल शुरू हुआ।

रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र में इंद्रधनुष-3 थिएटर फेस्टिवल का आगाज

मंच पर राम और रावण के बीच भीषण युद्ध चल रहा है। रावण होकर घायल होकर जमीन पर पड़ा है, राम चिंतित मुद्रा में हैं। लक्ष्मण बहुत खुश हो रहे हैं और राम से कहते आपने इस अधर्मी का विनाश कर दिया। तभी पलटकर राम जवाब देते हैं, नहीं लक्ष्मण, मुझसे एक पाप हुआ है। लक्ष्मण जिज्ञासा के साथ फिर पूछते हैं कैसे भइया। राम कहते हैं रावण के हमने दस सिर काटे हैं, एक सिर अखंड ज्ञानी, पराक्रमी व ब्राह्मण का भी था। इसका मुझे पश्चाताप करना होगा। मंच पर फिर से अचानक बत्ती गुल होती और कलाकार गायब हो जाते हैं। हाल की लाइटें आन होने पर सीटों पर बैठे लोग तालियां बजाकर कलाकारों का हौसला अफजाई करते हैं। रिद्धिमा प्रोडक्शन की ओर से प्रस्तुति नाटक का निर्देशन शैलेश शर्मा ने किया। मोहसिन ने राम और फरदीन ने लक्ष्मण की भूमिका निभाई। शहर के रंगमंच कलाकार रहे दिवंगत जेसी पालीवाल के चित्र पर माल्यार्पण के साथ फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि वसीम बरेलवी ने कहा कि मनुष्य का जीवन एक नाटक है। कला व संस्कृति व्यक्ति को पूर्ण मनुष्य बनाते हैं। कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि कला और संस्कृति से जुड़े लोगों को मंच देने के लिए उनकी यह छोटी सी पहल है।

आज का मंचन

इंद्रधनुष-3 फेस्टिवल में गुरुवार शाम को लाल किले का आखिरी मुकदमा, नाटक का मंचन शाम चार बजे और शाम 6.30 बजे किया जाएगा।